भारत सरकार

सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या : 527

उत्तर देने की तारीख : 06.02.2025

असम में पीएम विश्वकर्मा योजना

527. श्री गौरव गोगोई:

क्या **सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) असम में पीएम विश्वकर्मा योजना की शुरुआत से लेकर अब तक इसमें नामांकित कारीगरों का जिलावार ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार कारीगरों को विशिष्ट कौशल विकास कार्यक्रम प्रदान कर रही है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार के पास इस योजना के कार्यान्वयन की निगरानी करने और कारीगरों की आजीविका पर इसके प्रभाव का मूल्यांकन करने के लिए कोई तंत्र मौजूद है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(घ) क्या सरकार ने कारीगरों, विशेषकर दूरस्थ और दुर्गम क्षेत्रों में स्थित कारीगरों के बीच इस योजना के बारे में जागरूकता उत्पन्न करने के लिए कोई पहल की है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम राज्य मंत्री

(सुश्री शोभा करांदलाजे)

(क) : अपने हाथों और औजारों से काम करने वाले 18 व्यवसायों के कारीगरों और शिल्पकारों को समग्र सहायता प्रदान करने के लिए दिनांक 17.09.2023 को पीएम विश्वकर्मा योजना शुरू की गई थी। दिनांक 17.09.2023 को योजना की शुरुआत के बाद से दिनांक 30.01.2025 तक, इस योजना के अंतर्गत असम राज्य से प्राप्त आवेदनों और 3-चरणीय सत्यापन के बाद सफलतापूर्वक पंजीकृत आवेदनों की संख्या का जिलावार विवरण अनुबंध में दिया गया है।

(ख): योजना के कौशल घटक के तहत, लाभार्थियों को 5-7 दिनों का बुनियादी प्रशिक्षण और 15 दिनों का उन्नत प्रशिक्षण निःशुल्क दिया जाता है। प्रशिक्षण अवधि के दौरान, लाभार्थियों को मजदूरी प्रतिपूर्ति के रूप में प्रति दिन 500 रुपए का वजीफा और साथ ही यात्रा व्यय के लिए 1,000 रूपए का भुगतान किया जाता है।

(ग) : राष्ट्रीय स्तर पर, योजना के कार्यान्वयन की निगरानी राष्ट्रीय संचालन समिति (एनएससी) की नियमित बैठकों के माध्यम से की जाती है, जिसकी अध्यक्षता सचिव, वित्तीय सेवाएं विभाग (डीएफएस), सचिव, कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय (एमएसडीई) और सचिव, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय (एमएसएमई) द्वारा की जाती है।

(घ) : इस योजना के अंतर्गत, योजना के लाभ के बारे में जागरूकता के लिए भारत सरकार से वित्त पोषण के द्वारा देशभर में विभिन्न आउटरीच कार्यक्रम, व्यापार मेले और राज्य स्तरीय प्रदर्शनियों का आयोजन किया जाता है। इन पहलों का उद्देश्य सुदूरवर्ती और दुर्गम क्षेत्रों सहित कारीगरों तक पहुंचना है।

******

अनुबंध

लोकसभा अतारांकित प्रश्न संख्या 527, जिसका उत्तर दिनांक 06.02.2025 को दिया जाना है, के उत्तर के भाग (क) के उत्तर में संदर्भित अनुबंध

दिनांक 17.09.2023 से 31.01.2025 तक पीएम विश्वकर्मा योजना के तहत असम राज्य के लिए प्राप्त आवेदनों की संख्या और सफल पंजीकरणों की संख्या का जिलावार विवरण निम्नानुसार है:

क्र.सं.	जिले	प्राप्त आवेदनों की संख्या	पंजीकरणों की संख्या
1.	बाजाली	13,097	631
2.	बक्सा	4,407	0
3.	बारपेटा	61,890	2,696
4.	बिश्वनाथ	8,920	0
5.	बोंगईगांव	15,538	2,388
6.	कछार	45,303	14,945
7.	चराईदेओ	2,905	0
8.	चिरांग	2,857	50
9.	दरांग	31,171	3,142
10.	धेमाजी	12,457	891
11.	धुबरी	49,843	4,526
12.	डिब्रूगढ़	19,528	3,280
13.	दीमा हसाओ	1,171	28
14.	गोलपाड़ा	14,897	869
15.	गोलाघाट	27,819	2,680
16.	हैलाकांडी	12,559	729
17.	होजाइ	13,592	0
18.	जोरहाट	21,243	1,566
19.	कामरूप	61,250	16,833
20.	कामरूप मेट्रो	15,201	1,316
21.	कार्बी आंगलोंग	6,198	0
22.	करीमगंज	18,764	1,441
23.	कोकराझार	539	2
24.	लखीमपुर	36,684	2,673
25.	माजुली	8,483	1,826
26.	मैरीगांव	33,504	8,761
27.	नगांव	68,004	19,836
28.	नलबाड़ी	42,274	6,266
29.	शिवसागर	11,879	332
30.	सोनितपुर	20,029	3,776
31.	दक्षिण सलमारा धुंधलापन	15,040	1,845
32.	तामुलपुर	0	0
33.	तिनसुकिया	21,750	2,465
34.	उदलगुड़ी	1,288	380
35.	पश्चिमी कार्बियन आंगलोंग	1,484	0
	कुल	**7,21,568**	**1,06,173**